THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

QUESTION BANK [GRADE 8] CHAPTER -6

भगवान के डाकिए

प्रश्न 1. 'भगवान के डाकिए' कविता किसके द्वारा लिखी गई है।

(क) रामधारी सिंह दिनकर

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला

(ग) भगवतीचरण वर्मा

(घ) कबीरदास

प्रश्न 2. एक देश की धरती दूसरे देश की धरती को क्या भेजती है?

(क) सुगंध

(ख) फूल

(ग) धुप

(घ) हवा

प्रश्न 3. एक महादेश से दूसरे महादेश कौन जाते हैं?

(क) हवा

(ख) पक्षी और बादल

(ग) नदिया

(घ) फूल

प्रश्न 4. 'भाप' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) वाष्प

(ख) जल

(ग) वसा

(घ) घुमक्कड़

प्रश्न 5. भगवान के संदेश को कौन - कौन पढ़ सकता है?

(क) संसार में रहने वाले सभी लोग

(ख) सभी चतुर व्यक्ति

(ग) सभी जीव जंतु

(घ) पेड़, पौधे, सरोवर-सरिताएँ, समुद्र व पर्वत यानी प्रकृति

प्रश्न 6. भगवान के डाकिए इस संसार को क्या संदेश देना चाहते हैं?

(क) आपसी नफरत का

(ख) विश्वबंधुत्व का

(ग) भेदभाव न करने का

(घ) प्रेम भाव से आगे बढ़ने का

प्रश्न 7. पक्षी एक देश से दूसरे देश में सुगंध कैसे ले जाते हैं?

(क) अपने मुंह के द्वारा

(ख) अपने पंखों पर

(ग) अपने पंजों में छुपा कर

(घ) अपनी चोंच से

प्रश्न 8. प्रस्तुत कविता में पक्षी और बादल को क्या कहा गया है ?

(क) भगवान के डाकिए

(ख) खत पहुंचाने वाला

(ग) प्रकृति के संरक्षण

(घ) संदेशवाहक

प्रश्न 9. 'बाँचते' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) पढ़ना

(ख) सुनना

(ग) रोना

(घ) धोना

प्रश्न 10. एक देश की धरती द्वारा भेजा गया सौरभ दूसरे देश की धरती तक कैसे पहुँचता है?

(क) पानी से

(ख) फूल से

(ग) धूल से

(घ) सुगंध से

प्रश्न 11. भगवान के डाकिए द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन नहीं पढ़ सकता है?

(क) इंसान

(ख) पेड़-पौधे

(ग) जानवर

(घ) पहाड़

प्रश्न 12. मनुष्य प्रकृति के संबंध में केवल क्या कर सकता है?

(क) दुरुपयोग

(ख) आकलन

(ग) जोड़ घटाव

(घ) अच्छा अनुभव

प्रश्न 13. 'तिरता' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) बहना

(ख) रोना

(ग) सोना

(घ) तैरता

प्रश्न 14. 'सौरभ' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) बदबू

(ख) खुशबू

(ग) सुरंग
(घ) दुर्गंध

प्रश्न 15. पानी बरसने से एकदम पहले उसका रूप होता है।

(क) भाप
(ख) हवा
(ग) आँधी
(घ) धूल

प्रश्न 16. 'आँकत' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) अनुभव
(ख) ज्यादा
(ग) आकार
(घ) अनुमान

प्रश्न 17. भगवान के संदेश को पेड़ पौधे पानी और पहाड़ क्यों समझ पाते हैं?

(क) क्योंकि वे भेदभाव की भावना से परे हैं
(ख) क्योंकि वे उनकी भाषा समझते हैं
(ग) क्योंकि वह ईश्वर की बात मानते है
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 18. बादल और पक्षी क्या नहीं मानते?

(क) जात-पात
(ख) धार्मिक भेदभाव
(ग) दो देशों की भौतिक सीमाओं के भेद को
(घ) आपसी मनमुटाव

प्रश्न 19. WWW का अर्थ है-

(क) वर्ड वाइड वेब

(ख) वर्ल्ड वाइड वेब

(ग) वर्ल्ड वेब वाइड

(घ) वर्ल्ड वाइज वेव

प्रश्न 20. भगवान के डाकिए कविता का भाव स्पष्ट करो?

(क) पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं

(ख) मनुष्य को भेदभाव से उठकर वसुधैव कुटुंबकम की भावना को आत्मसात करना चाहिए

(ग) मनुष्य को सभी का ध्यान रखना चाहिए

(घ) मनुष्य को पक्षियों से कुछ सीखना चाहिए

शब्दार्थ

a) बाँचना - _____

b) आंकना - _____

c) सौरभ - _____

d) पाँख - _____

ANSWERS

a) पढ़ना

b) अनुमान करना

c) सुगंध

d) पंख , पर

पर्यायवाची शब्द

a) पक्षी = _____ , _____

b) बादल = _____ , _____

c) पेड़ = _____ , _____

d) पानी = _____ , _____

e) पहाड़ = _____ , _____

f) चिट्ठी = _____ , _____

g) हवा = _____ , _____

ANSWERS

a) पंछी , चिड़िया , विहग

b) मेघ , जलधर , जलद

c) वृक्ष , तरु , विटप

d) नीर , जल

e) पर्वत , गिरी , तुंग

f) पत्र , खत

g) पवन , वायु , समीर

अतिरिक्त प्रश्न

प्रश्न 2. निम्नलिखित सवालों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए|

1) **कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया हैं? स्पष्ट कीजिए।**

कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश हम तक पहुँचाते हैं। उनके लाए संदेश को हम भले ही न

समझ पाए, पर पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ उसे भली प्रकार पढ़-समझ लेतें हैं। जिस तरह बादल और पक्षी दूसरे देश में जाकर भी भेदभाव नहीं करते उसी तरह हमें भी आचरण करना चाहिए।

2) पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं? सोच कर लिखिए।

पक्षी और बादल द्वारा लायी गई चिट्ठियों को पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ पढ़ पाते हैं।

3) किन पंक्तियों का भाव है :
(क) पक्षी और बादल प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश एक देश से दूसरे देश को भेजते हैं।
(ख) प्रकृति देश-देश में भेद भाव नहीं करती। एक देश से उठा बादल दूसरे देश में बरस जाता है।

(क) पक्षी और बादल,
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़, पौधें, पानी और पहाड़
बाँचते हैं।
(ख) और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी
बनकर गिरता है।

4) पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

कवि का कहना है कि पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं। जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश लाने का काम करते हैं। पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ भगवान के भेजे एकता और सद्भावना के संदेश को पढ़ पाते हैं। इसपर अमल करते नदियाँ समान भाव से सभी लोगों में अपने पानी को बाँटती है। पहाड़ भी समान रूप से सबके साथ खड़ा होता है। पेड़-पौधें समान भाव से अपने फल, फूल व सुगंध को बाँटते हैं, कभी भेदभाव नहीं करते।

5) "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है" - कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

एक देश की धरती अपने सुगंध व प्यार को पक्षियों के माध्यम से दूसरे देश को भेजकर सद्भावना का संदेश भेजती है। धरती अपनी भूमि में उगने वाले फूलों की सुगंध को हवा से, पानी को बादलों के रूप में भेजती है। हवा में उड़ते हुए पक्षियों के पंखों पर प्रेम-प्यार की सुगंध तैरकर दूसरे देश तक पहुँच जाती है। इस प्रकार एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।

6) पक्षियों और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?

पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं। यह हमें यहीं संदेश देते हैं।

7) आज विश्व में कहीं भी संवाद भेजने और पाने का एक बड़ा साधन इंटरनेट है। पक्षी और बादल की चिट्ठियों की तुलना इंटरनेट से करते हुए दस पंक्तियाँ लिखिए।

पक्षी और बादल प्रकृति के अनुसार काम करते हैं किंतु, इंटरनेट मनुष्य के अनुसार काम करते है। बादल का कार्य प्रकृति-प्रेमी को प्रभावित करती है किंतु, इंटरनेट विज्ञानं प्रेमी को प्रभावित करती है। पक्षी और बादल का कार्य धीमी गति से होता है किंतु, इंटरनेट का कार्य तीव्र गति से होता है। इंटरनेट एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक बात पहुँचाने का ही सरल तथा तेज माध्यम है। इसके द्वारा हम किसी व्यक्तिगत रायों को जान सकते हैं किन्तु पक्षी और बादल की चिट्ठियाँ हमें भगवान का सन्देश देते हैं। वे बिना भेदभाव के सारी दुनिया में प्रेम और एकता का संदेश देते हैं। हमें भी इंटरनेट के माध्यम से प्रेम और एकता और भाईचारा का संदेश विश्व में फैलाना चाहिए।

8) 'हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका' क्या है? इस विषय पर दस वाक्य लिखिए।

डाकिया' भारतीय सामाजिक जीवन की एक आधारभूत कड़ी है। डाकिया द्वारा डाक लाना, पत्रों का बेसब्री से इंतज़ार, डाकिया से ही पत्र पढ़वाकर उसका जवाब लिखवाना इत्यादि तमाम महत्त्वपूर्ण पहलू हैं, जिन्हें नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। उसके परिचित सभी तबके के लोग हैं। हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। भले ही अब कंप्यूटर और इ-मेल का ज़माना आ गया है पर, डाकिया का महत्त्व अभी भी उतना ही बना हुआ है जितना पहले था।
कई अन्य देशों ने होम-टू-होम डिलीवरी को खत्म करने की तरफ कदम बढ़ाये हैं, या इसे सुविधा-शुल्क से जोड़ दिया है, वहीं भारतीय डाकिया आज भी सुबह से शाम तक चलता ही रहता है। डाकिया कम वेतन पाकर भी अपना काम अत्यन्त परिश्रम और लगन के साथ संपन्न करता है। गर्मी, जाड़ा और बरसात

का सामना करते हुए वह समाज की सेवा करता है। भारतीय डाक प्रणाली की गुडविल बनाने में उनका सर्वाधिक योगदान माना जाता है।

THE VILLAGE INTERNATIONAL SCHOOL